

वार्तालाप—1159, काकरभिट्टा, जोरसीमल, भाग—1, 4.5.2011
Disc.CD No.1159, dated 4.5.2011, Part-1 at Kakarbhitta, Jorsimal
Extracts

समय—4.23—9.44

जिज्ञासु— बाबा, मुरली में बोला है कि ये अमेरिका और रशिया दोनों मिलकर के लड़ाई करता है, तो इसमें ज्ञान में बेहद में कौन है?

बाबा— जो यादव सम्प्रदाय हैं, उनके लिए शास्त्रों में भी कहा गया है की उनके पेट में से मूसल निकले। वास्तव में मिसाइल्स शब्द बदलकर के मूसल बनाया दिया है। जब मूसल चलता है तो मूसल पत्थर में मारा जाता है या जमीन में मारा जाता है तो गड़ढा होता है? मूसल कहां चलाया जाता है? गड़ढे में चलाया जाता है। ये भी मिसाइल्स हैं, जब फटते हैं तो जमीन में बहुत गहरा गड़ढा हो जाता है। ये मिसाइल्स पेट में से नहीं निकले। कहां से निकले? ये बुद्धि रूपी पेट है ईसाईयों का, जहां से ये मिसाइल्स निकले हैं। उन ईसाईयों में भी दो वर्ग हो गये लास्ट में। एक नास्तिक वर्ग और एक आस्तिक वर्ग। नास्तिक वर्ग वाले ये रशिया वाले हैं। जो आत्मा, परमात्मा, स्वर्ग, नर्क कुछ भी नहीं मानते। और दूसरे हैं यूरोप अमेरिकावासी यादव। उन नास्तिकों की बुद्धि इतनी तीखी हुई, इतनी तामसी बनी कि जिस दुनिया में रहते हैं उसी दुनिया में ध्वंस करने का उन्होंने मसाला तैयार कर लिया है एटम बम्ब। उन्होंने तैयार किया और यूरोप अमेरिका वासियों ने उसको बढ़ावा दे दिया। ढेर का ढेर मसाला तैयार कर लिया, ढेर के ढेर एटम बम्ब बना लिये। फिर दोनों में स्पर्धा होती है। दोनों एक दूसरे के दुश्मन बन जाते हैं जो शास्त्रों में लिखा है कि यादवों के पेट से मूसल निकले और आपस में ही लड़ाई लड़ करके खलास हो गये।

Time: 4.23-9.44

Student: Baba, it has been said in the murli that this America and Russia fight with each other; so, what are they in the unlimited in the knowledge?

Baba: It has been said for the Yadava (descendants of Yadu) community in the scriptures as well that pestles (*muusal*) came out from their stomach. Actually the word 'missiles' has been changed to '*muusal*'. When you use a pestle, is it hit on a stone or is it hit on the ground so that a depression (mortar) is formed? In what do you use a pestle? You use it in a mortar. These are *missiles*, too. When they explode, they create a very deep crater in the land. These *missiles* did not come out from the stomach. Where did they come from? This is the stomach like intellect of the Christians, from where these *missiles* have come out; there are two categories among those Christians in the *last*. One is an atheist group and the other is a theist group. The atheist group is these Russians who do not believe in anything including the soul, the Supreme Soul, heaven and hell. And the other are the Yadavas, the residents of Europe, America. The intellect of the atheists became so sharp, so degraded that they prepared explosives, [i.e.] atom bombs to destroy the very world in which they live. They prepared it and the residents of Europe, America promoted it. They prepared a lot of explosives; they prepared a lot of atom bombs. Then a competition takes place between both. Both become each other's enemies, for this it has been written in the scriptures that pestles emerged from the stomach of the Yadavas and they fought with each other and perished.

तो ये आपस में भाई—भाई है। ये कोई भारतवासी नहीं हैं। ये विदेशी हैं। भारत में तो तृतीय विश्व युद्ध होता है महाभारी महाभारत गृह युद्ध। जिसमें भारतवासी पाण्डव और कौरव दोनों भाग लेते हैं और साथ में ये एटम बम्ब बनाने वाले, एटमिक हथियार बनाने वाले, भारत और भारत के दुश्मनी देशों को छोटा—मोटा बारूद का सामान देते रहते हैं। वो भी सहयोगी बनते हैं। किसके? कौरवों के। वो तृतीय विश्व युद्ध में बनते हैं सहयोगी। परन्तु बड़े—बड़े हथियार

और उनके तकनीक नहीं देते हैं। ये बड़े-बड़े हथियार चतुर्थ विश्व युद्ध में फूटेंगे, जबकि सारी दुनियां खलास हो जावेगी। और वो यादव सम्प्रदाय भी खलास हो जावेगे। इसलिए बाबा ने मुरली में बोला है कि शास्त्रों में लिख दिया है यादवों के पेट से मूसल निकले। जिन मूसलों से उन्होंने सारी दुनियां को खलास कर दिया और खुद भी खलास हो गये।

So, they are brothers for each other. They are not residents of India. They are foreigners. The Third World War, i.e. the massive Mahabharata civil war takes place in India, in which the residents of India, i.e. the Pandavas as well as the Kauravas take part and along with them the makers of atom bombs and atomic weapons keep on supplying minor explosives to India and India's enemy countries. They become helpers, too. Whose? Of the Kauravas. They become helpers in the Third World War. But they do not give the big weapons and techniques. These big weapons will explode in the Fourth World War when the entire world will be destroyed. And those from the Yadava community will also perish. This is why Baba has said in the murlis that it has been written in the scriptures that pestles came out from the stomach of the Yadavas. With it they destroyed the entire world and they themselves perished, too.

समय—9.48—10.54

जिज्ञासु— 108 की माला कॉमन है, 8 की माला क्रिश्चियन लोग भी उठाते हैं क्योंकि तुम 9 रत्न हो अनन्य।

बाबा— हाँ क्रिश्चियन लोग बुद्धि में ज्यादा तीखे हैं भारतवासियों के मुकाबले या कम तीखे हैं? ज्यादा तीखे हैं। तो वो बाप और बाप के सहयोगियों को पहले पहचानते हैं या बाद में पहचानते हैं? पहले पहचान लेते हैं। बाप को भी पहले पहचानते हैं और जो बाप के सहयोगी 7 और मणके हैं, जिन्हें अष्टदेव कहा जाता है मिलाकर उनको भी पहचानते हैं। इसलिए क्रिश्चियन्स में भी आठ की माला गाई हुई है, ऐसे मुरली में बोला।

Time: 9.48-10.54

Student: The rosary of 108 is common. The Christians also hold the rosary of eight [beads], because you 9 gems are unique.

Baba: Yes. Do the Christians have a sharper intellect when compared to the Indians or do they have a less sharp intellect? They are sharper. So, do they recognize the Father and the Father's helpers first or do they recognize them later? They recognize them first. They recognize the Father first and they also recognize the seven more helper beads of the Father, who are together called the eight deities. This is why the rosary of eight is famous among the Christians as well. It has been said so in the murlis.

समय—10.58—16.25

जिज्ञासु— बाबा, अभी मुरली में आया कि ब्रह्मा ही प्रजापिता ठहरा, ये किस भाव से आया?

बाबा— ब्रह्मा कितने हैं? एक है, दो हैं, चार हैं, पांच हैं? ब्रह्मा के कितने मुख दिखाये जाते हैं? चतुरानन, पंचानन किसके नाम हैं? ब्रह्मा का नाम है। कहते हैं एक मुख काट दिया गया। जो प्रजापिता के रूप में गाली देने लग पड़ा। राम वाली आत्मा ही अंत समय में अति तमोप्रधान बनती है क्योंकि वो तो सबका बाप है। तो सबसे बड़ा तमोप्रधान कौन बने? राम वाली आत्मा सबसे बड़ा तमोप्रधान बनता है। सारी दुनियां के विनाश के निमित्त बन जाती है वो आत्मा। तो सारी दुनिया को भस्म करने के जो निमित्त बनता है वो पैदा करने के लिये भी निमित्त बनता होगा। क्योंकि वो सारी सृष्टि का बाप है। ये सारी सृष्टि उस एक बीज से ही पैदा होती है और उसमें ही समा जाती है। तो वो पहला—2 ब्रह्मा है, जो 500, 700 करोड़ मनुष्य सृष्टि का पिता है। सारी प्रजा का पिता है। और जो ब्रह्मा है उनको सारी

मनुष्य सृष्टि नहीं मानेगी। ब्रह्माकुमार, कुमारियां किसको अपना पिता मानेंगी? सिर्फ ब्रह्मा को ही अपना पिता मानेंगी।

Time: 10.58-16.25

Student: Baba, it was mentioned just now in the murli that Brahma himself is Prajapita, what was the intention behind saying this?

Baba: How many Brahmas are there? Are they one, two, four or five? Brahma is shown to have how many heads? Whose names are Chaturanan (the one with four heads), Panchanan (the one with five heads)? They are Brahma's names. It is said that one head in the form of Prajapita which started hurling abuses was cut. The soul of Ram himself becomes extremely *tamopradhaan* in the last period because he is everybody's father. So, who should become the most *tamopradhaan*? The soul of Ram becomes the most *tamopradhaan*. That soul becomes instrument for the destruction of the entire world. So, the one who becomes instrument to destroy the entire world will become an instrument to give birth as well because he is the father of the entire world. This entire world is born only through that one seed and merges only in him. So, he is the first Brahma, who is the father of the human world consisting of 500, 700 crore (five-seven billion) [souls]. He is the father of the entire *prajaa* (subjects). The entire human world will not accept the other Brahmas. Who will the Brahmakumar-kumaris accept as their father? They will accept only Brahma as their father.

ऐसे ही नम्बरवार और भी ब्रह्मा है, जो विष्णु बनते हैं। जो और—2 ब्रह्मा हैं वो जड़त्वमई भुजाएं हैं या चैतन्य बुद्धि हैं? जड़त्वमई भुजाएं हैं। उनमें इतनी अक्ल नहीं है जो मनन—चिंतन—मंथन करके ईश्वरीय ज्ञान को समझ सकें। चैतन्य बुद्धि नहीं है। कोई उपर की भुजाएं हैं, कोई नीचे की भुजाएं हैं, कोई दाएं ओर की भुजाएं हैं, कोई बाएं ओर की भुजाएं हैं, बाकि भुजाएं जड़ होती हैं या चैतन्य आत्मा होती हैं? क्या होती हैं? भुजाएं तो जड़ ही होती हैं। उन जड़ को चलाने वाला कोई चाहिए या नहीं चाहिए? उन जड़त्वमई भुजाओं को, उन ब्रह्मा को, चलाने वाला वो ही प्रजापिता है। जिसमें मुकर्रर रूप से शिव चैतन्य प्रवेश करता है, ईश्वरीय ज्ञान की व्याख्या करता है या व्याख्या के निमित्त बनता है। इसलिए एक ब्रह्मा है मुख्य। और बाकि सब है गौण। इसलिए मुरली में बोला ब्रह्मा तो अनेकों के नाम हैं परन्तु प्रजापिता ब्रह्मा एक का ही नाम है। अब ये जरूर है कि जो भी ब्रह्मा होंगे नम्बरवार वो ब्रह्मा सो क्या बनेंगे, अन्त में? ब्रह्मा सो विष्णु बनते हैं। इसलिए विष्णु का विराट रूप दिखाया गया है गीता में। परन्तु गलती से कृष्ण का नाम डाल दिया। वो कृष्ण उर्फ दादा लेखराज के विराट रूप की बात नहीं है। विराट रूप तो प्रजापिता का है। जिस बीज से 500, 700 करोड़ पत्तों वाला वृक्ष तैयार होता है। उसमें जानवरियत कि स्वभाव वाले भी मौजूद हैं। विराट रूप में जानवरों के मुख भी दिखाये हैं, पक्षियों के मुख भी दिखाये हैं, राक्षसों के मुख भी दिखाये हैं, ब्राह्मणों के मुख भी दिखाये हैं, ऋशियों—महर्षियों के भी मुख दिखाये हैं। और देवतायें भी दिखाये हैं।

Similarly, there are more numberwise (at different levels) Brahmas who become Vishnu. Are the other Brahmas inert arms or do they have a living intellect? They are inert arms. They do not have the intelligence to think and churn and understand the Divine knowledge. They do not possess a living intellect. Some are upper arms, some are lower arms; some are right side arms, some are left side arms. But are the arms inert or do they have a living soul? What are they? Arms are just inert. Is anyone required or not to run those inert [arms]? The one who makes the inert arms, Brahmas work is that very Prajapita, in whom the living Shiva enters in a permanent form, clarifies the Divine knowledge or becomes instrument to clarify it. This is why one Brahma is main (*mukhya*). The rest are unimportant (*gaun*). This is why it has been

said in the murli that many have the name Brahma, but Prajapita Brahma is the name of only one. Now it is certain that all the numberwise Brahmas will be changed from Brahma to what in the end? They change from Brahma to Vishnu. This is why Vishnu's *viraat ruup*¹ is shown in the Gita. But the name of Krishna has been inserted by mistake. It is not about the *viraat ruup* of Krishna alias Dada Lekhraj. The gigantic form is of Prajapita. He is the seed through whom the tree consisting of 500, 700 crore leaves gets ready. It also includes those with animal like nature. Animal heads have also been shown in the gigantic form. Heads of birds, heads of demons, heads of Brahmins, heads of sages and great sages as well as deities have been shown.

समय—16.56—17.25

प्रश्न— दुनियां में जो भी 500, 700 करोड़ आत्मायें हैं, उन हर आत्माओं में कुछ न कुछ अच्छाई भी होती है या नहीं होती है?

बाबा— अरे, जब सतोप्रधान होंगी तो अच्छाई भी होगी और जब तमोप्रधान होती हैं तो बुराई हो जाती है।

Time: 16.56-17.25

Question: Is there one or the other goodness or not in each of the 500, 700 crore (five – seven billion) souls?

Baba: *Arey*, when they are *satopradhaan*, they will have goodness, too. And when they are *tamopradhaan*, they become bad.

समय—17.49—20.26

प्रश्न— आत्मा का पार्ट हूबहू रिपीट होता है, इसका मतलब क्या है? कबके पार्ट की बात है?

बाबा— अरे, 5000 वर्ष में हर समय के पार्ट की बात है। जब भी नया कल्प 5000 साल का शुरू होगा तो वो ही रिपीट होगा, जो पिछले कल्प में रिपीट हुआ था। चाहे शुरुवात का हो, चाहे मध्य का हो, चाहे अन्त का हो। चाहे पहले जन्म का हो, चाहे बीच के जन्मों का हो या अन्त के जन्म का हो। आत्मा तो एक रिकॉर्ड है।

जिज्ञासु— आत्मा जब से आई तब से का रिकॉर्ड है ना?

बाबा— आप कब से आये?

जिज्ञासु— वो तो मालूम नहीं, लेकिन आया तो जरूर आया।

Time: 17.49-20.26

Question: What is meant by 'a soul's part repeats as it is'? It is about the part of which time?

Baba: *Arey*, it is about the part of all the time in the 5000 years. Whenever a new *kalpa* (cycle) of 5000 years begins, it will *repeat* as it had repeated in the previous *kalpa*, whether it pertains to the beginning, middle or the end, whether it pertains to the first birth, the middle births or the last births. The soul is a *record*.

Student: There is a record from the time the soul has come, isn't it?

Baba: When did you come?

Student: I don't know that, but I have definitely come, haven't I?

बाबा— हाँ, इस सृष्टि पर हर आत्मा के आने का टाइम नुंघा हुआ है। कोई सतयुग के आदि से आती है, कोई स्वर्णिम संगमयुग से ही आती है। सतयुग से भी पहले से आ जाती है। कोई त्रेता में आती है, कोई द्वापर में आती है, कोई कलयुग में आती है। जो कलयुग में

¹ The universal form of the Supreme Being in which the entire creation is manifest

आवेगी वो कलयुग के ही पार्ट बजावेगी। कलयुग में भी जब आती है तो आदि में सतोप्रधान अच्छाई का पार्ट बजावेगी और अन्त में कैसा पार्ट बजायेगी? तमोप्रधान पार्ट बजायेगी। जैसे आजकल कौन से योगी का बहुत ज्यादा बोलबाला है भारतवर्ष में? रामदेव का बोलबाला है। रामदेव जब शुरूवात में नाम विख्यात हुआ था तो कॉमर्शियलाईज उनके द्वारा संसार बनाया गया या वो कॉमर्शियल दुनिया से बहुत दूर थे? (जिज्ञासु—दूर थे।) और अब क्या हो गये? अभी उनका सारा कारोबार कॉमर्शियल हो गया। तो ऐसे ही हर आत्मा पहले सतोप्रधान होती है और बाद में तमोप्रधान बन जाती है। ये मान मर्तबा जो है ना, ये मान मर्तबा ऐसी चीज है जो सारी दुनियां को गड्ढे में ले जाता है।

Baba: Yes, the time of arrival is fixed for every soul in this world. Some [soul] comes in the beginning of the Golden Age; some [soul] comes from the golden Confluence Age itself. It comes even before the Golden Age. Some comes in the Silver Age, some in the Copper Age, some comes in the Iron Age. The soul who comes in the Iron Age will play a *part* of just the Iron Age. Even when it comes in the Iron Age, it will play a *satopradhaan*, good *part* in the beginning and what kind of a *part* will it play in the end? It will play a *tamopradhaan part*. For example, nowadays which *yogi* is very popular in India? Ramdev is popular. When the name of Ramdev became well-known in the beginning, then did he *commercialize* the world or was he far away from the *commercial* world? And what has he become now? Now his entire business has become *commercial*. So, similarly, every soul is *satopradhaan* in the beginning and later on it becomes *tamopradhaan*. This respect and position is such that it takes the entire world into ditch.

समय—20.39—25.21

प्रश्न— कोई ने पूछा है आत्मा का पार्ट अगर हूबहू रिपीट होता है तो ये याद करना, साधना करना, ज्ञान लेना ये किसलिए?

बाबा— आत्मा का पार्ट जो जन्म—जन्मान्तर बजाया है, वो हमें याद है? याद तो कुछ भी नहीं। जब याद ही नहीं है तो जैसा—2 संकल्प चलावेंगे वैसा—2 संकल्पों की जन्म—जन्मान्तर की सृष्टि बनेगी। कोई नेगिटिव संकल्प ज्यादा चलाते हैं, कोई पोजिटिव संकल्प ज्यादा चलाते हैं। जो नेगिटिव संकल्प ज्यादा चलावेंगे वो अज्ञानी हैं या ज्ञानी हैं? अज्ञानी हैं। नेगिटिव माने परमात्मा बाप ने जो कुछ बोला है उसके बरखिलाफ बात बोलते हैं, काम करते हैं।

Time: 20.39-25.21

Question: Someone has asked: If a soul's part repeats as it is; why do we need to remember, do *sadhanaa* (study), obtain knowledge?

Baba: Do we remember the *part* that a soul has played for many births? We don't remember anything. When we don't remember at all, then as are the thoughts we create, so shall our world of thoughts of many births be formed. Some create more *negative* thoughts; some create more *positive* thoughts. Are those who create more *negative* thoughts ignorant or knowledgeable? They are ignorant. *Negative* means that they speak, act against whatever the Supreme Soul Father has spoken.

बाप तो बोलते हैं कि ड्रामा हूबहू रिपीट होता है लेकिन उनके नेगिटिव संकल्प चल पड़ते हैं। ये कैसे हो सकता है? हूबहू रिपीट होता है। अरे, हूबहू रिपीट कोई इस जन्म की बात थोड़े ही है। कितने जन्मों की बात है? जन्म—जन्मान्तर की बात है। वो तो बहुत लम्बा समय हो गया, उसके बारे में हमें कुछ पता ही नहीं है। हाँ, रील घूम रही हैं अभी, पूरे ड्रामा की, उस रील में अच्छे संस्कार जब उदय होते हैं तो अच्छे संकल्प चलते हैं पोजिटिव। और जब बुरे संस्कार उदय होते हैं तो कितना भी ज्ञान लिया हुआ हो तो भी नेगिटिव संकल्प ही चल

पड़ते हैं। तो हमें पूर्व जन्मों का कुछ पता ही नहीं है तो हम कैसे मानें कि हमारी याद से वो ही रिपीट होगा? अच्छी याद करेंगे तो अच्छा रिपीट होगा। अच्छी याद नहीं करेंगे, अच्छा पुरुषार्थ नहीं करेंगे, अच्छी साधना नहीं करेंगे तो क्या समझा जाए कि जन्म-जन्मान्तर हमारा अच्छा गया या बुरा गया? बुरा गया। अभी हमारी मुट्ठी में हमारी जन्म-जन्मान्तर की तकदीर परमात्मा बाप ने दे दी है। चाहे तो अच्छे से अच्छा बनाये, जन्म-जन्मान्तर सुख की दुनिया बनायें और चाहे तो जन्म-जन्मान्तर दुःख की दुनिया बना लें। बाकि हमारे संकल्पों के उपर है।

The Father says that the *drama* repeats as it is, but they start creating *negative* thoughts: 'How can this be possible? –That it *repeats* as it is?' *Arey*, 'repeats as it is' is not about this birth. It is about how many births? It is about many births. That has been a long time ago. We don't know anything about it at all. Yes, the *reel* of the entire *drama* is rotating now. When good *sanskaars* emerge in that *reel*, then we create good, *positive* thoughts. And when bad *sanskaars* emerge, then howevermuch knowledge someone has obtained, yet he creates just *negative* thoughts. So, when we don't know anything at all about the past births, then how can we believe that the same thing will *repeat* through our remembrance? If you remember well, then [good part] will *repeat*. If you don't remember well, if you don't make good *purushaarth* (spiritual effort), if you don't do good *sadhanaa*, then what should you think? Were your many births good or were they bad? They were bad. Now the Supreme Soul Father has given the fortune of many births in our fist. If we wish, we can make it the best, we can make a world of happiness for many births and if we wish, we can make a world of sorrow for many births. The rest depends on our thoughts.

जिज्ञासु— बाबा कोई—2 ऐसे भी बोलते हैं ना कि कल्प पहले हमने अच्छा संकल्प चलाया होगा तो

बाबा— कल्प पहले तुमने खाया होगा तो खाय लेना। काहे के लिए किचन में घुस जाते हो खाना बनाने के लिए? जवाब दो।

जिज्ञासु— नहीं बाबा, आत्मा के हिसाब से खाने की बात नहीं चलता है।

बाबा— आत्मा के साथ खाने का क्यों नहीं चलता है? आत्मा का भोजन संकल्प नहीं है? (जिज्ञासु—है।) जैसे स्थूल शरीर का भोजन है स्थूल। ऐसे ही आत्मा का भोजन है – संकल्प। चाहे अच्छे से अच्छा संकल्प का भोजन करो और चाहे खराब से खराब संकल्प का भोजन करो।

Student: Baba, some say that we must have created good thoughts in the previous *kalpa*; so....

Baba: Eat [food] if you will have eaten it in the previous *kalpa*. Why do you enter the *kitchen* to cook food? Answer [me].

Student: Baba, food is not applicable to the soul.

Baba: Why isn't food applicable to the soul? Aren't thoughts the food for the soul? (Student: They are.) Just as the food for physical body is physical, similarly the soul's food is thoughts, if you wish you can consume the food of the best thoughts or the food of the worst thoughts.

जिज्ञासु— बाबा आत्मा में एक ही प्रकार का रिकॉर्ड तो हम....

बाबा— आत्मा में एक ही प्रकार का रिकॉर्ड कैसे है, कौन सी आत्मा है जिसके अन्दर एक ही प्रकार का रिकॉर्ड है निगेटिव—3? अभी तो इसमें आपने खुद ही लिखा है। आपने पूछा है – आत्मा का पार्ट हूबहू रिपीट होता है तो अच्छा पार्ट ही रिपीट होता है या बुरा पार्ट भी रिपीट होता है? इसका मतलब आप खुद ही ससोपंज में हैं, कि हर आत्मा में अच्छा पार्ट ही

भरा हुआ है या बुरा भी भरा हुआ है? अच्छा भी भरा हुआ है, बुरा भी भरा हुआ है। ईश्वर का ज्ञान अगर हमने लिया है, ये पक्का निश्चय हो गया है कि ईश्वर आया हुआ है, पक्का निश्चय होने के बाद हमें ईश्वर की वाणी को 100 परसेन्ट फॉलो करना है। अगर उसमें मनमत मिक्स की या मनुष्यों की मत मिक्स की तो फिर हमारा अकल्याण ही अकल्याण होगा।

Student: Baba, if a soul has just one kind of record...

Baba: How can a soul have only one kind of *record*? Which soul contains only one kind of *record*, [the record] of just negativity? Now, you yourself have written in this. You have asked: 'When a soul's *part* repeats as it is, then does only the good *part repeat* or does the bad *part also repeat*?' It means that you yourself are confused whether every soul contains only good *part* or bad *part* as well? It contains good as well as bad [part]. If we have obtained God's knowledge, if we have firm faith that God has come; then after having a firm faith we should *follow* Gods's words 100 percent. If we *mix* our mind's opinion in it or if we *mix* the opinion of human beings in it, then we will suffer just loss.

समय—25.30—31.23

जिज्ञासु— मूत पलीती कपड़ धोती का मतलब क्या है?

बाबा— मूत पलीती कपड़ धोती का मतलब यह है कि सिक्खों ने भी बोला है मूत पलीती कपड़ धोती लेकिन गुरुनानक के लिए बोल दिया। अब कपड़ा किसको कहा जाता है? शरीर को कपड़ा कहा जाता है। क्या गुरुनानक ने आकर कपड़े धोए हैं? देवताओं के कपड़े किसी के बन गये? नहीं बने। और ही शरीर सड़ते जाते हैं। शरीर के छिद्रों में से बदबू ही बदबू निकलती जाती है। तो ये शरीर पावन बन रहे हैं या पतित बन रहे हैं? कपड़े धुल रहे हैं या और ही गंदे हो रहे हैं? और ही गंदे होते जा रहे हैं। ये गुरुनानक की बात नहीं है या कोई मनुष्य गुरु की बात नहीं है। क्योंकि दुनिया तो नीचे गिरती चली जा रही है। कोई मनुष्य गुरु कोई के भी शरीर रूपी वस्त्रों को धो नहीं सकता। आत्माएं भी पतित हो रही हैं और उनके कपड़े वस्त्र भी पतित हो रहे हैं। ये तो एक सतगुरु का ही गायन है जो आकर के संग के रंग से कपड़ों को धोता है। पहले आत्मा को धोता है या शरीर को धोता है? पहले आत्मा को धोता है। तो अभी क्या, कौन सी रील चल रही है? कौन—सी मशीनरी चल रही है? आत्मा को धोने की मशीनरी चल रही है या शरीर रूपी वस्त्रों को धोने की मशीनरी चल रही है? आत्मा को धोने की मशीनरी चल रही है। वो आत्मा ज्ञान से धोई जाएगी या कोई स्थूल जल की बात है? ज्ञान जल की बात है। जितना—2 ईश्वरीय ज्ञान हम बुद्धि में धारण करेंगे श्रद्धा, विश्वास, भावनापूर्वक, उतना—2 हमारी आत्मा का मल साफ होगा। हम प्रसन्नचित्त बने रहेंगे। हरेक के बातों का जवाब हमारे पास स्वतः ही आता रहेगा। भगवान बाप जैसे कि हमारे में प्रवेश करके हर बात का जवाब देगा।

Time: 25.30-31.23

Student: What is meant by '*muut paliti kapad dhoti*'?

Baba: '*Muut paliti kapad dhoti*' means... the Sikhs have also said '*muut paliti kapad dhoti*' but they said this for Guru Nanak. And what is meant by cloth (*kapda*)? The body is called cloth. Did Guru Nanak come and wash clothes? Did anyone receive clothes like that of the deities? No. The bodies decay even more. Bad odour emanates from the pores of the body. So, are the bodies becoming pure or are they becoming sinful? Are the clothes being washed or are they becoming dirtier? They are becoming dirtier. This is not about Guru Nanak or any human guru because the world is experiencing downfall. No human guru can wash the cloth like bodies of anyone. Souls are also becoming sinful and their clothes are also becoming sinful. It is the glory of only the one *Sadguru* who comes and washes all the clothes through the colour of company. Does He first wash the soul or the body? First He washes the soul.

So, which *reel* is rotating now? Which *machinery* is going on? Is the *machinery* of washing the soul going on or is the *machinery* of washing the cloth like bodies going on? The *machinery* of washing the soul is going on. Will that soul be washed through knowledge or is it about the physical water? It is about the water of knowledge. The more we imbibe the Divine knowledge in the intellect with faith, belief and devotion, the more our soul's dirt will be removed. We will remain joyful. We will automatically receive the answers for everyone's questions. It is as if God, the Father will enter us and give an answer for every one's question.

तो मूत पलीती कपड़ धोती का मतलब ये है कि मनुष्य आज मूत पलीती बन गया है। भैंसे की तरह। जैसे भैंसा कीचड़ में लोटता है या गैंडा कीचड़ में लोटता है। ऐसे ही मनुष्य की बुद्धि कीचड़ में लोटने वाली बन गई है। विकारों में रमण करती रहती है। मूत पलीती बन गई है। शरीर भी कीचड़ में लोटता रहता है। छुटकारा पाना चाहते हैं लेकिन नहीं पा सकते। ये तो एक सतगुरु की है मेहर है कि जब सृष्टि पर प्रत्यक्ष होता है तो मनुष्य आत्माएं उसके संग के रंग से क्या बनती हैं? पावन बनती हैं। पहले आत्मा पावन बनती है फिर शरीर भी पावन बनेंगे। अभी तो शरीर सड़ते जाते हैं और आत्मा पावरफुल होती जा रही है। जो मुरली में बोला है कि शरीर सड़ते जावेंगे और आत्मा पावरफुल होती जावेगी। कब तक? तब तक जब तक हमने नई दुनिया में प्रवेश नहीं किया है। जो बोला है कि नर्क के दुनियां के बीच स्वर्ग का वर्सा देता हूँ। और स्वर्ग का वर्सा उनको ही मिलेगा जिनके संकल्प एकदम परिष्कृत हो जावेंगे। संकल्पों में कोई प्रकार की अशुद्धि न रहे। अपना भी कल्याण करने वाली बुद्धि बने और संगी-साथियों का भी कल्याण करने वाली बुद्धि बने। और जो संगी-साथी नहीं बने हैं उनके लिए भी कल्याण की भावना बनी रहे। कोई का भी अकल्याण न बुद्धि में आवे। उसको कहेंगे परिष्कृत बुद्धि।

So, '*muut paliti kapad dhoti*' means that the human being has become *muut paliti* (dirtied with the urine of lust) today like a buffalo. For example, a buffalo or a rhino rolls in mud. Similarly, the intellect of human beings rolls in mud. It keeps thinking about vices. It has become *muut paliti*. The body also rolls in mud. They want to become free, but cannot become free. It is the favour of only one Sadguru that when He is revealed in the world, then what do the human souls become through the colour of His company? They become pure. First the soul becomes pure, then the bodies will also become pure. Now the bodies go on rotting and the soul goes on becoming *powerful*. It has been said in the murlī that the bodies will go on rotting and the soul will go on becoming *powerful*. Until when? Until we have entered the new world. It has been said that I give the inheritance of heaven amidst the world of hell. Only those souls whose thoughts will have become completely pure will receive the inheritance of heaven. There should not be any kind of impurity in the thoughts. The intellect should bring benefit to the self as well as the companions and there should be a feeling of benefit even for those who have not become your companions. The thought of harming anyone should not enter your intellect. That will be called a purified intellect.

इसलिए बोला कि यज्ञ के आदि में भी ये धोबीघाट चल रहा था। बाबा कहते हैं मैं भी क्या हूँ? मैं भी धोबी हूँ, धोबी बनकर के आता हूँ। तुम्हारी आत्मा और शरीर रूपी वस्त्रों को दोनों को धो देता हूँ। आत्मा और शरीररूपी नैया दोनों का खिवैया एक ही बाप है। ऐसे मुरली में बोला हुआ है। ऐसे नहीं कि सिर्फ आत्मा ही पावन बनकर के नई दुनियां में जावेगी। आत्मा भी पावन बनेगी और शरीर भी पावन बन करके सतयुग में जावेंगे। अपवित्र शरीर नहीं जावेंगे। पवित्र शरीर जावेंगे सतयुग में तभी तो देवताई जन्म होगा कि अपवित्र शरीरों से होगा? पवित्र शरीरों से पवित्र कृष्ण जैसे 16 कला सम्पूर्ण बच्चों का जन्म होगा।

This is why it has been said that this laundry (*dhobighat*) was going on in the beginning of the *yagya* as well. Baba says: What am even I? Even I am a washerman (*dhobi*); I come as a washerman. I wash your soul as well as the cloth like bodies. The boatman of the soul as well as the boat like body is only the one Father. It has been said so in the murli. It is not that only the soul will become pure and go to the new world. The soul will become pure and the body will also become pure and go to the Golden Age. The impure bodies will not go [there]. The pure bodies will go to the Golden Age; only then will there be a divine birth or will there be [divine birth] with impure bodies? There will be the birth of pure children like Krishna who are perfect in 16 celestial degrees.

समय—34.30—37.23

जिज्ञासु— बाबा अव्यक्त वाणी में आया है कि टू लेट का बोर्ड लग चुका है।

बाबा— टू लेट का बोर्ड लग चुका है, इसका मतलब यह है कि सन् 76 में टू लेट का बोर्ड लगा था एक युगल के लिए जो घोषणा की गई थी सन् 66 में कि 10 वर्ष के बाद लक्ष्मी नारायण का राज्य आने वाला है, पुरानी दुनिया खलास होने वाली है और नई दुनिया आने वाली है। तो वो एक युगल की बात थी, टू लेट का बोर्ड लग गया, वो प्रत्यक्ष हो गया। उसके बाद तीन मूर्तियों की बात आयी। तीन मूर्तियाँ भी प्रत्यक्ष हो गईं। उन तीन मूर्तियों के लिये कहेंगे टू लेट का बोर्ड लग गया। ब्रह्मा का पार्ट प्रैक्टिकल में बजाने वाली मूर्ति इस दुनिया में कौन? विष्णु का पार्ट बजाने वाली प्रैक्टिकल मूर्ति, प्रैक्टिकल कपड़ा झंडे का वो कौन? और शंकर के रूप में पार्ट बजाने वाली सत्यमेव जयते मूर्ति कौन? अहिंसा परमोधर्म मूर्ति कौन? ये तीनों मूर्तियाँ कौन-सी हैं जिनकी यादगार में जिनके शरीर रूपी वस्त्र की यादगार में हमारा झंडा बना हुआ है, जो गली-2 में फहराया जाता है बोलते हैं विश्व विजय करके दिखलावे।

Time: 34.30-37.23

Student: Baba, it has been mentioned in the avyakt vani that the board of too-late has been displayed.

Baba: The *board of too-late* has been displayed; it means that the *too-late* board was displayed in 1976 for one couple. It was declared in 1966 that the kingdom of Lakshmi and Narayan is going to come after 10 years; the old world is going to be destroyed and the new world is going to arrive. So, that was about one couple. The *board of too late* was displayed. They were revealed. After that the topic of three personalities was mentioned. The three personalities were also revealed. It will be said for those three personalities that the *board of too late* was displayed. Who is the personality that plays the *part* of Brahma in practice in this world? Who is personality playing the *part* of Vishnu, who is the cloth of the flag [representing Vishnu] in practice? And who is the personality playing the *part* in the form of Shankar who [proves the saying] 'Truth alone triumphs' (*satyamev jayate*)? Who is the personality for whom non-violence is the supreme religion? Which are these three personalities in whose memorial, in the memorial of whose cloth like bodies our flag (tricolor) has been prepared? It is hoisted in every lane; people say: 'It will conquer the world'.

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबा— अरे, तीन कपड़े हैं कि नहीं? वो तीन कपड़े स्थूल कपड़े की यादगार हैं या चैतन्य वस्त्र की यादगार हैं? स्थूल कपड़ा विश्व विजय करके दिखलावेगा? जरूर कोई तीन भाव, स्वभाव, संस्कार वाली आत्मायें हैं और भारत की ही आत्मायें हैं, भारत का ही झंडा है जो विश्व में विजय प्राप्त करके दिखलाता है। बाकि दुनिया का कोई भी झंडा नहीं है जो सारे

विश्व के उपर जिसने प्राप्त विजय की हो। हिटलर हो, नेपोलियन हो कोई भी हो, मुसोलनी हो। सब इस दुनियां में आये, महत्वाकांक्षा लेके आये कि सारे दुनियां में हम राज्य करेंगे। एलेक्जेंडर आया। नाक रगड़ के चले गये। विश्व के उपर विजय प्राप्त किसी ने नहीं की। ये तो एक शंकर का ही गायन है। क्या गायन है? विश्व विजय करके दिखलावे, विश्वनाथ शंकर। ये बाहुबल से काम नहीं करता है। काहे से काम करता है? योगबल से विश्व की बादशाही लेता है।

Student said something.

Baba: *Arey*, are they the three personalities or not? Are those three cloths a memorial of physical cloths or are they a memorial of living cloths? Will a physical cloth conquer the world? Definitely there are three souls with different feelings, natures and *sanskaars* and they are souls of only India and it is the flag of India alone which gains victory over the world. There is no other flag of the world which has conquered the entire world. Be it Hitler, be it Napoleon, or anyone, be it Mussolini. All of them came to the world; they came with their ambitions that they will rule over the entire world. Alexander came. They rubbed their nose² and departed. Nobody conquered the world. It is the glory of only one Shankar. What is the glory? Vishwanath (Lord of the world) Shankar conquers the world. He does not work through physical power. How does he work? He obtains the emperorship of the world through the power of yoga.

समय—37.26—39.45

जिज्ञासु— बाबा, कुछ एडवांस के भाई ऐसे हैं कि गीता पाठशाला भी खोल दिये, चार चित्र भी लगा दिये। जोर—शोर से दो—तीन साल चले। अभी उन चार चित्रों को हटा दिये हैं। और भक्तिमार्ग के सारे चित्र लगा करके जय हनुमान ज्ञान गुण सागर का पाठ पढ़ाते हैं। और जब हम सेवा करने जाते हैं तो डांट—डपट करते हैं, माना सेवा करने ही नहीं देते हैं। तो कौन सी शूटिंग हो रही है बाबा?

बाबा— दुनिया छोटी है की बड़ी है? (जिज्ञासु—बड़ी है।) तो बड़ी दुनियां में चाहे जहां चले जाओ सेवा करने के लिये। वो सारी दुनिया में रोक लगा लेंगे क्या?

जिज्ञासु— पति को गंदा—2 बात सुना करके डांट लगवा देती हैं। तो मातायें भी डर के मारे सेवा नहीं कर पाती हैं। संगठन में नहीं आ पाती हैं, न क्लास कर पाती हैं।

Time: 37.26-39.45

Student: Baba, some brothers in the advance [party] are such that they opened *gitapathshalas*, put up the four pictures as well. They followed the path for two-three years with a lot of enthusiasm. Now they have removed those four pictures. And now they teach lessons [saying:] ‘*Jai Hanuman gyaan gun saagar...*’³ by displaying all the pictures of the path of *bhakti*. And when we go to do service, they scold us, meaning they do not allow us to do service. So, which shooting is taking place, Baba?

Baba: Is the world small or big? (Student: It is big.) So, in this big world you can go anywhere for service. Will they stop [you] in the entire world?

Student: ... they narrate dirty things to their husbands and make them get scoldings. So, the mothers are also unable to do service due to fear. They are neither able to come to the *sangathan* (gathering classes) nor are they able to attend *class*.

² Naak ragarnaa: entreating abjectly; to make futile efforts

³ Praises of Hanuman (a monkey-faced deity) in the path of *bhakti*

बाबा— अभी तो कुछ भी बंधन नहीं लग रहा है। आगे चलके तो जब माया का फाईनल पेपर होगा तो टी.वी में ग्लानि निकलेगी, चारों तरफ घरों-घरों में टी.वी देखेंगे। अखबारों में ग्लानि निकलेगी। इन्टरनेट में ग्लानि निकलेगी, रेडियों में चारों ओर ग्लानि ही ग्लानि होगी। और नाम ही कलंकीधर गाया हुआ है। जिनकी बुद्धि में ये बात बैठेगी नहीं मूत पलीती कपड़ धोती ये किसका पार्ट है, ये कौन-सा सतगुरु है? नहीं पहचान होगी तो ग्लानि करेंगे या गायन करेंगे? ग्लानि ही करेंगे। उन ग्लानि करने वालों की संख्या ज्यादा होगी या गायन करने वालों की संख्या ज्यादा होगी? ग्लानि करने वालों की संख्या ज्यादा होगी। गायन करने वालों की संख्या तो अन्त में बनेंगी 16108 500-700 करोड़ की दुनिया में जो सिर्फ गायन ही करेंगे। वो गोप-गोपियां गाये हुए हैं, गुप्त पुरुषार्थी जो गुप्त बाप को पहचानेंगे।

Baba: You are not facing any bondage (*bandhan*) now. In future, when the *final paper* (examination) of Maya takes place, then defamation will be broadcasted on the TV; people will watch TV in every house. Defamation will be published in the newspapers. Defamation will take place through the internet; there will be defamation and only defamation everywhere through radio. The very name is *Kalankidhar*⁴. Those in whose intellect it does not sit that who plays the *part of muut paliti kapad dhoti*; who is this *Satguru*? If they do not realize, will they defame or will they glorify Him? They will just defame. Will the number of those who defame be more or will the number of those who glorify Him be more? The number of those who defame will be more. The number of those who glorify Him will reach 16108 in the end in the world consisting of 500-700 crore [people]. They will just glorify Him. Those *gop-gopis* (cow herds and herd girls) are famous as *gupt purushaarthis* (those who make secret spiritual effort) who will recognize the hidden Father.

समय—40.45—41.46

जिज्ञासु— रजनीश का ओशो धर्म है, वो सम्पर्क में आते हैं, ज्ञान जब सुनाने लगते हैं तो उनसे कुछ भी नहीं मिलता है जैसे आत्मा को भी नहीं मानते हैं, परमात्मा भी नहीं मानते हैं। न शास्त्र की बात मानते हैं, न ज्ञान की बात मानते हैं। कहां न कहां की बात कहते हैं। उनको कैसे समझायेंगे?

बाबा— वो तो सभी गुरुओं का ही यह हाल है। सभी गुरुओं के फॉलोवर्स का यही हाल है। वो अपने गुरु को ही भगवान मानते हैं। तो आपकी बात कैसे मान लेंगे?

जिज्ञासु— नहीं, कुछ समझाने का तरीका है तो...

बाबा— इन गुरुओं को मारो गोली। जो बाप के गरीब बच्चों हैं, भोले भाले बच्चे हैं... भोलानाथ कहा गया है ना। जिनकी बुद्धि में सहज बैठ जाता है उनको सुनाओ। सौ सुनाएंगे तो एक निकलेगा ऐसे बोला है मुरली में। तो क्यों दुःखी होते हो?

Time: 40.45-41.46

Student: The Osho religion of Rajnish; when they come in contact with us and when we start narrating knowledge to them, then nothing [of ours] matches with them. For example, they believe neither in the soul nor the Supreme Soul. Neither do they mention about the scriptures, nor anything about the knowledge. They speak of unrelated topics. How can we explain to them?

Baba: This is the condition of all the gurus. This is the condition of the *followers* of all the gurus. They believe only their guru to be God. So, how will they accept your knowledge?

Student: No, is there any method to explain to them...?

⁴ The one who bears disgrace

Baba: To hell with these gurus! [Narrate knowledge to] the poor children of the Father, the innocent children. He is called Bholanath (lord of the innocent ones), isn't He? Narrate to those in whose intellect it sits easily. If you narrate to a hundred people, then one person will emerge. It has been said so in the murli. Then, why do you feel unhappy?

समय—42.14—42.58

प्रश्न— पूछा है आत्मा का पतन होता है तो आत्मा का प्रमोशन भी होना चाहिए।

बाबा— नहीं होता है क्या? पतन भी होता है तो प्रमोशन भी होता है। आत्मा कभी बड़े उमंग उत्साह में आकर के बड़ा बढ़िया पुरुषार्थ करती है। हम फील करते हैं कि भई आज तो बड़ी अच्छी याद लगी। कभी ऐसे—2 संकल्प आते हैं न चाहते हुए भी एकदम अवस्था गिर जाती है। ये तो होता ही रहता है। जब तक 63 जन्मों का हिसाब-किताब पूरा नहीं हुआ है अच्छे-बुरे कर्मों का तब तक ऐसे ही चलता रहेगा।

Time: 42.14-42.58

Question: It is asked: When a soul's downfall takes place, then the promotion of the soul should also take place.

Baba: Doesn't it take place? Downfall as well as *promotion* takes place. Sometimes a soul feels very enthusiastic and makes very good *purusharth*. We feel: today we remembered [Baba] very well. Sometimes we get such thoughts that even if we don't wish, the stage falls completely. This keeps happening. Until the karmic accounts of good and bad actions of the 63 births have been cleared, this will continue to happen.

समय—43.13—46.10

प्रश्न— एक जन्म लेने वाली आत्मा, याद और साधना से 3, 4 चौरासी जन्म लेने वाली बन सकती है या नहीं?

बाबा— बोलो। अरे, आत्मा एक रिकॉर्ड है, चैतन्य रिकॉर्ड है। इसमें जो भरा हुआ है वो ही बजेगा। वो कितनी भी कोशिश करे कि मैं चौरासी जन्म लेने वाला देवता बन जाऊँ, बनेगा ही नहीं। वो नेगिटिविटी ही आवेगी। अगर एक जन्म लेने वाली है।

जिज्ञासु— डिमोशन और प्रमोशन का अर्थ इसी प्रश्न पर है। तो एक जन्म से दो जन्म तक प्रमोशन नहीं होगा कभी भी?

बाबा— वो आत्मा अन्त में आवेगी ज्ञान में या अभी ज्ञान में आवेगी? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हम जो पूछ रहे हैं उसका जवाब दो। जो आत्मा एक जन्म लेने वाली है वो ज्ञान में अभी आ जावेगी या लास्ट शूटिंग में आवेगी? कब आवेगी? इस बात पर तो आपने विचार ही नहीं किया।

जिज्ञासु— विचार किया है।

बाबा— क्या विचार किया, लास्ट में आवेगी...?

Time: 43.13-46.10

Question: Can a soul that has one birth become a soul that has 3, 4 or 84 births through remembrance and *saadhana* or not?

Baba: Tell [me]. *Arey*, a soul is a *record*; it is a living *record*. It will play whatever is recorded in it. Howevermuch it tries to become a deity who has 84 births he will not become that at all. Only that *negativity* will come in it if it is the one who has a single birth.

Student: This is what I wanted to ask by saying *demotion* and *promotion*. Will it never get *promotion* from one birth to two births?

Baba: Will that soul come in the knowledge in the end or will it come now? (Student said something.) Answer what I am asking. Will a soul that has one birth enter the path of

knowledge now or will it enter in the *last shooting*? When will it come? You did not think over this point at all.

Student: I have thought.

Baba: Yes, what did you think? Will it come in the *last*...?

जिज्ञासु— 83 हो गया, 82 हो गया, 81 हो गया, 80 हो गया, 79 हो गया, तो 79 वालों का 80, 81 होगा कि नहीं? बात वो है ना। एक जन्म का तो उदाहरण है।

बाबा— अरे, एक जन्म लेने वाला अगर तीन, चार जन्म लेने का पुरुषार्थ कर सकता है तो चौरासी जन्म लेने का पुरुषार्थ नहीं कर सकता? कर सकता है। लेकिन ऐसे हो नहीं सकता। जो आत्मा एक जन्म लेने वाली होगी वो बिल्कुल शूटिंग के अंत में आवेगी। और अंत में आवेगी, उस समय अंत में दुनिया का माहौल कैसा होगा? ज्ञान को समझने का शांति का माहौल होगा या एकदम अशांति का माहौल होगा? (जिज्ञासु— अशांति का) तो ज्ञान ले सकेगी? जब ज्ञान ले ही नहीं सकेगी तो ज्ञान उठा सकेगी? पुरुषार्थ कर सकेगी? साधना कर सकेगी? कर ही नहीं सकती।

Student: Some soul has 83 births, some has 82 births, some has 81 births, some has 80 births, some has 79 births. So can the one who has 79 births have 80, 81 births or not? That is the topic. One birth is just an exmple.

Baba: Arey, if the one who has one birth can make *purushaarth* to have three, four births, then can't he make *purushaarth* to have 84 births? He can. But this cannot be possible. The soul that has one birth will come at the fag end of the *shooting*. And when it comes in the end, at that time in the end how will the atmosphere of the world be? Will it be an atmosphere of peace to understand the knowledge or will there be an atmosphere of complete restlessness? (Student: An atmosphere of disturbance.) So, will it be able to obtain knowledge? When it will not be able to obtain knowledge at all, will it be able to grasp knowledge? Will it be able to make *purushaarth*? Will it be able to do *saadhanaa*? It cannot do at all.

जिज्ञासु— संगमयुग में सम्पर्क तो होगा ना।

बाबा— किससे सम्पर्क होगा?

जिज्ञासु— भगवान से हो सकता है।

बाबा— भगवान से सम्पर्क सिर्फ सुनने मात्र का ही होगा। अखबार में देखने मात्र का ही होगा। इससे जास्ती नहीं हो सकता। ये तो बहुत श्रेष्ठ आत्माएं हैं 16 हजार 108 जो गोप-गोपिकाओं के रूप में सर्व सम्बन्धों से भगवान से संयोग जोड़ती हैं। संग का रंग लेती हैं।

Student: There will be contact in the Confluence Age, won't there?

Baba: With whom will there be a contact?

Student: It can be with God.

Baba: They will come in contact with God only to the extent of listeing [the knowledge]. It will be only to the extent of seeing Him in the newspaper. It cannot be more than that. The 16,108 are very elevated souls, who establish a connection with God through all relationships in the form of *gop-gopis*. They take the colour of His company.

समय—46.30—47.14

प्रश्न— बाबा, सूर्यवंशियों में लास्ट में फाईनल परीक्षा आयेगी। तो क्या चन्द्रवंशियों की नहीं आयेगी? उनकी भी तो परीक्षा आनी चाहिए।

बाबा— हर धर्म वाले की परीक्षा एक साथ आवेगी या नम्बरवार आवेगी? (किसीने कहा—नम्बरवार।) पहले किसकी आनी चाहिए? सूर्यवंशियों की परीक्षा पहले आनी चाहिए। उनकी पहले आवेगी, बाद में चंद्रवंशियों की आवेगी फिर इस्लामवंशियों की आवेगी। परीक्षायें तो जरूर आयेंगी।

Time: 46.30-47.14

Question: Baba, the *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty) will face the *final* test in the end. So, won't the *Chandravanshis* (those belonging to the Moon dynasty) face it? They should also face the test.

Baba: Will the people of all the religions face the tests simultaneously or numberwise (at different times)? (Someone said: Numberwise.) Who should face it first? The *Suryavanshis* should face the test first. They will face first; then the *Chandravanshis* will face it, then the *Islamvanshis* (those belonging to the Islam dynasty) will face it. They will definitely face the tests.

समय—47.36—50.52

बाबा— किसी ने पूछा है — बाबा, मैं और मेरे पति दोनों इस ज्ञान को जानते हैं, समझते हैं और अच्छी रीति पालन भी करते रहे। बल्कि पहले उन्होंने ही मुझे इस ज्ञान में चलाया है। मैं पहले नहीं मानती थी। परन्तु बाबा अब पवित्रता पर बहुत ओब्जेक्शन लगाते हैं। कर लेंगे, धीरे-2 हो जायेगा। मैं चाहती हूँ उनको भी दुबारा भट्टी करा दूँ, अपवित्रता का रास्ता छुड़वा दूँ।

Time: 47.36-50.52

Baba: Someone has asked: Baba, I and my husband, both know this knowledge; understand it. And we also followed it well. Moreover, it was he who first brought me to this path of knowledge. I did not used to accept initially. But Baba, now he raises a lot of objections on maintaining purity. We will do it, it will happen gradually. I want him to undergo the *bhatti*⁵ once again and make him leave the path of impurity.

बाबा— पूछने वाली माता भूल जाती है कि पुरुषों को बाबा ने कौन सा टाईटिल दिया है? दुर्योधन—दुःशासन। जो दुर्योधन—दुःशासन होते हैं वो दुष्ट युद्ध करते हैं। मानते नहीं। एकांत पावेंगे और दुष्टता का युद्ध जरूर शुरू करेंगे। अबला अगर नहीं मानेगी तो जोर—जबरदस्ती हाथ—पांव बांधके भी इम्प्योर बनावेंगे। इसको कहेंगे दुष्ट युद्ध। बाकि मनुष्यों को बुद्धि मिली है। अगर माया की लड़ाई लड़नी है, एक—दूसरे की परीक्षा लेनी ही है तो मारपीट करने की जरूरत है या एक दूसरे के सहयोग से काम करना चाहिए? एक—दूसरे के सहमति से काम करना चाहिए। और कोई गिरता है तो उसको उठाने की कोशिश करनी चाहिए। मारपीट करना, जोर जबरदस्ती करना, खाने के लिए पैसा न देना, घर से बहार निकाल देना ये तो फिर दुर्योधन—दुःशासन का युद्ध हो गया। दुष्ट शासन हो गया। और पुरुष तो ऐसा जरूर करते हैं। कोई कम करते हैं, कोई ज्यादा करते हैं। कोई आज करते हैं, कोई कल करेंगे। आज सतोप्रधान स्टेज है, नये-2 ज्ञान में आये हैं, ज्यादा उमंग—उत्साह है, कल? कल तमोप्रधान बन जावेंगे। और फिर बाबा ने तो ये बोल दिया पुरुष सब दुर्योधन—दुःशासन। ब्रह्मा और शंकर को भी नहीं छोड़ा। सब में कौन आ गये, कौन नहीं आ गये? कोई रह गये? सब माने 500 करोड़। जितने भी 500 करोड़ में मनुष्य हैं, पुरुष हैं, वो सब दुर्योधन—दुःशासन। कोई कम, कोई ज्यादा।

⁵ An intense course of yoga and knowledge for a period of seven days following strict norms

Baba: The mother who is asking this question forgets, what is the title Baba has given to men? Duryodhan-Dushasan⁶. Duryodhans and Dushasans wage a wicked war (*dusht yuddh*). They do not agree. If they find solitude (*ekaant*) they will definitely start the war of wickedness. If the weak women (*ablaa*) do not agree, they will make them *impure* forcibly by even tying her hands and legs. This will be called a wicked war. Besides, human beings possess intellect. If they want to fight with Maya, if they want to test each other, then is there any need to resort to beatings or should they work with the support of each other? They should work with the consent of each other. If anyone falls, they should try to uplift him. To indulge in beatings, to use force, not giving money to eat food, to evict someone from the house is the war by Duryodhan and Dushasan. It is a wicked rule (*dusht shaasan*). And men definitely do this. Some do to a lesser extent and some do to a greater extent. Some do it today; some will do it tomorrow. Today it is a *satopradhaan stage*; they have entered the path of knowledge newly, they have a lot of zeal and enthusiasm. Tomorrow? Tomorrow they will become *tamopradhaan*. And then Baba has said that all men are Duryodhans and Dushasans. He hasn't spared even Brahma and Shankar. Who is included and who is excluded from 'everyone'? Is anyone excluded? Everyone means 500 crore. All the human beings, all the men among the 500 crore are Duryodhans and Dushasan, some to a lesser extent and some to a greater extent.

समय—51.44—52.40

प्रश्न— तुम्हारी धर्मयुद्ध है विद्वान पंडितों के साथ। धर्मयुद्ध को लड़ाई नहीं कहा जाता।
बाबा— अधर्मयुद्ध कौन-सा होता है? (किसीने कुछ कहा।) लड़ाई तो दोनों हैं। वाचा की लड़ाई लड़ेंगे। एक अज्ञान सुनायेगा मुख से और दूसरा ज्ञान की बातें सुनायेगा। वो लड़ाई नहीं है? वो भी लड़ाई है। लेकिन धर्मयुद्ध कौन-सा है और अधर्मयुद्ध कौन-सा है? अभी तो बताया दुर्योधन-दुःशासन धर्मयुद्ध करते हैं या अधर्मयुद्ध करते हैं? वो अधर्मयुद्ध करते हैं। हिंसक लड़ाई अधर्म युद्ध है। और अहिंसक लड़ाई धर्मयुद्ध है।

Time: 51.44-52.40

Question: Your religious war is with the scholars and *pandits*. Religious war (*dharmayuddh*) is not called a fight.

Baba: What is meant by *adharmayuddh* (irreligious war)? Both are fights. They will fight with words. One will narrate ignorance through the mouth and the other will narrate topics of knowledge. Is that not a war? That is also a war. But what is *dharmayuddh* and what is *adharmayuddh*? Just now it was said that do the Duryodhans and Dushasans fight *dharmayuddh* or *adharmayuddh*? They fight *adharmayuddh*. Violent war is an irreligious war and non-violent war is a religious war.

समय—53.08—56.37

प्रश्न— अभी जापान में समुन्दर की धरती से बड़ा ज्वालामुखी निकला। तो बाबा बेहद में भी कुछ हुआ होगा?

बाबा— हुआ होगा या नहीं हुआ होगा? बेहद में छोटे रूप में हुआ होगा या बड़े रूप में हुआ होगा? बेहद में छोटे रूप में होगा। क्योंकि अभी छोटी दुनिया की स्थापना हो रही है या बड़ी दुनिया की स्थापना हो रही है? छोटी दुनिया की स्थापना हो रही है। जो छोटी दुनिया की स्थापना हो रही है, उसमें पहले परिवार की इकाई तैयार होगी या ढेर के ढेर परिवार तैयार हो जायेंगे राजधानी में? इकाई तैयार होगी। वो इकाई बता दी, आठ की इकाई है, आठ का परिवार है। वो आठ सारी दुनिया के पूर्वज है। पूर्वज माने पहले—2 जन्म लेने वाले।

⁶ Villainous characters in the epic Mahabharata

हां, कोई सूर्यवंश का पूर्वज है। कोई चंद्रवंश का पूर्वज है। कोई इस्लामवंश का पूर्वज है। कोई बौद्धी धर्म का पूर्वज है। तो जो बौद्धी धर्म का पूर्वज होगा, उसके अन्दर कोई बात ऐसी चल रही हो जो ज्वारमुखी के रूप में फट पड़े और नुकसान कर दे।

Time: 53.08-56.37

Question: Recently a big volcano (*jvalamukhi*) erupted from the ocean bed near Japan. So, Baba something must have happened in the unlimited as well.

Baba: Will it have happened or not? Will it have happened in a small form in the unlimited or will it have happened in a big form? It will happen in a small form in the unlimited because is a small world being established or a big world being established now? A small world is being established. In the small world that is being established, will a unit of family become ready first or will numerous families become ready in the capital? A unit will become ready. That unit is mentioned to be the unit of eight. It is a family of eight. Those eight are ancestors (*puurvaj*) of the entire world. Ancestors mean those who are born first of all. Yes, some one is the ancestor of the Sun dynasty. Someone is the ancestor of the Moon dynasty. Someone is the ancestor of the Islam dynasty. Some one is the ancestor of the Buddhist dynasty. So, something must be going on in the mind of the ancestor of the Buddhist religion, which bursts in the form of a volcano and does harm.

जो भी होता है वो कल्याणकारी होता है या अकल्याणकारी होता है? द्वितीय विश्व युद्ध हुआ, उसमें भी जापान का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। कल्याणकारी हुआ या अकल्याणकारी हुआ? (किसीने कहा—कल्याणकारी हुआ।) क्या कल्याणकारी हुआ? ठोकर खाने के बाद जापान सबसे आगे निकल गया तकनीक में। अभी भी ऐसे ही है। जो भी 5 पांडव हैं, उन 5 पांडवों की ये बीजरूप आत्मायें हैं। सूर्यवंश का भी बीज है धर्मराज युधिष्ठिर। चन्द्रवंश का भी बीज है, बौद्धी धर्म का भी बीज है बुद्धिमान नर अर्जुन और सन्यास धर्म का भी बीज है। ये भारतीय धर्म है और सिक्ख धर्म का भी बीज है, नकुल और सहदेव नाम विख्यात है। ये पांचों भारतिय धर्मों के जो बीज हैं वो ही पांच पांडवों के रूप में गिने जाते हैं। तो जो अर्जुन है वो पहले—2 विशाद की बातें करता है, दुःखी होता है या एकदम उमंग—उत्साह में आ जाता है? पहले विशाद, ठोकर लगती है। फिर एलर्ट हो जाता है।

Is whatever happens beneficial or harmful? The Second World War took place; even in that it was Japan which suffered the highest loss. Was it beneficial or harmful? (Someone said: It was beneficial.) What was beneficial? After facing a blow, Japan went ahead of everyone in technology. Even now it is like this. These are the seed form souls of the five Pandavas. Dharmaraj Yudhishtir is the seed of the Sun dynasty. There is a seed of the Moon dynasty, there is a seed of the Buddhist religion as well. [It is said for him:] intelligent man Arjun and there is a seed of the Sanyas religion as well; these are Indian religions; and there is a seed of the Sikh religion too; the names of Nakul and Sahdev are famous. These seeds of the five Indian religions are counted as the five Pandavas. So, does Arjun talk of sorrow first of all, does he feel sorrowful or does he become enthusiastic at once? First there is unhappiness; he faces a blow; then he becomes *alert*.

समय—56.55—59.08

प्रश्न— सभी धर्म वालों से देवता धर्म वालों की आदमशुमारी जास्ती हो। परन्तु अब कनवर्ट हो गये हैं इसलिए थोड़ी जनसंख्या रह जाती है। ये सभी ड्रामा है इसमें समझने की अच्छी बुद्धि चाहिए।

बाबा— पूछने वाले ने क्या पूछा सो तो बताया नहीं। समझने की इसमें क्या बात है? कि सभी धर्म वालों से देवता धर्म वालों की आदमशुमारी भारतवर्ष में जास्ती होनी चाहिए। लेकिन भारतवर्ष में अभी सभी धर्मों की आदमशुमारी जास्ती है। सारी भारत की बात छोड़ दो। राजधानी को देख लो दिल्ली में। दिल्ली को ही सब फॉलो करते हैं। सारे भारत का वायुमण्डल देखना हो तो दिल्ली का वायुमण्डल देख लो। दिल्ली में किसी खास धर्म के लोग ज्यादा रहते हैं या हिन्दु, मुस्लमान, सिक्ख, ईसाई सभी ज्यादा रहते हैं? सभी ज्यादा रहते हैं। होनी चाहिए ज्यादा आदमशुमारी किसकी? अरे, आदि सनातन धर्म है तो किसकी आदमशुमारी जास्ती होनी चाहिए? देवताओं की ज्यादा होनी चाहिए। लेकिन वो कम क्यों है? और—2 धर्मों की क्यों बढ़ गई? कारण तो सबको मालूम है। मालूम है कि नहीं मालूम है? अरे! देवता धर्म वाले ही दूसरे धर्म में कनवर्ट हुए हैं। हिन्दू ही दूसरे धर्म में कनवर्ट हुए हैं। दूसरे धर्म वाले कभी अपने धर्म को छोड़ते नहीं हैं। अपने धर्म के पक्के हो करके रहते हैं। इसलिए आदमशुमारी दूसरे धर्मों की बहुत बढ़ गई। और देवता धर्म की कम हो गई।

Question: The population of those who belong to the Deity Religion should be more than those of all other religions. But they have now converted that is why their population is less. This is also a drama. A good intellect is required to understand this.

Baba: The questioner has not mentioned the question at all. What is there to understand in this? The population of those who belong to the Deity Religion should be more than those who belong to all other religions. But in the Indian region the population of those who belong to all other religions is more now. Leave alone the topic of the entire India. See the capital Delhi. Everyone follows just Delhi. If you want to see the atmosphere of entire India, then see the atmosphere of Delhi. Do people of any particular religion live in Delhi in greater numbers or do the Hindus, Muslims, Sikhs and Christians live in large numbers? All live in large numbers. Whose population should be more? *Arey*, when it is the *Aadi Sanatan Dharma* (the Ancient Deity Religion) then whose population should be more? The population of the deities should be more. But why is it less? Why has the population of other religions increased? Everyone knows the reason. Do you know it or not? *Arey*, it is only those belonging to the Deity Religion who converted to other religions. It is only the Hindus who converted to other religions. People belonging to the other religions never leave their religion. They remain steadfast in their religion. This is why the population of other religions has increased at lot. And that of the Deity Religion has decreased.

समय—59.21—01.01.23

प्रश्न— दिल्ली को राजधानी कहा जाता है। महाराष्ट्र को नहीं। महाराष्ट्र में मुम्बई को नहीं। क्यों?

बाबा— महाराष्ट्र की राजधानी बम्बई नहीं है? बम्बई महाराष्ट्र की राजधानी तो है। महाराष्ट्र एक स्टेट है उसकी राजधानी बम्बई है। और दिल्ली? दिल्ली भी एक स्टेट है लेकिन वो एक स्टेट की राजधानी है या सभी स्टेट्स की राजधानी है? सभी स्टेट्स की राजधानी है। इसलिए बाबा ने भी बोला है अव्यक्त बापदादा ने – दिल्ली का सुधार सारे भारत का सुधार हो जाता है। दिल्ली का परिवर्तन सारी दुनिया का परिवर्तन नूंधा हुआ है। इसलिए दिल्ली की सेवा पर बापदादा ने सबसे ज्यादा दवाब दिया है। और ये भी बता दिया कि दिल्ली है स्थापनाकारी और बम्बई है हर हर बम—2 की नगरी। तो क्या फोड़ेगी? बम्ब फोड़ेगी। पहले ज्ञान के बम्ब दिल्ली में फूटेंगे या स्थूल बमबाजी होंगी? कौन—सी बमबाजी पहले होती है?

Time: 59.21-01.01.23

Question: Delhi is called the capital (*raajdhaani*), not Maharashtra. Not Mumbai in Maharashtra. Why?

Baba: Isn't Mumbai the capital of Maharashtra? Mumbai is the capital of Maharashtra. Maharashtra is a state and Mumbai is its capital. And Delhi? Delhi is also a state but is it the capital of one state or is it the capital of all the states? It is the capital of all the states. This is why Baba, Avyakt Bapdada has also said: When Delhi reforms, then the entire India reforms. Transformation of Delhi means transformation of the entire world. This is why Bapdada has laid the maximum stress on the service of Delhi. And He has also said that Delhi does the establishment and Mumbai is a city of 'har-har, bam-bam'. So, what will it explode? It will explode bombs. Will the bombs of knowledge explode first in Delhi or will physical bombardment take place? Which bombardment takes place first?

समय—01.01.31—01.09.46

प्रश्न— बाबा लादेन की मौत तो हद में हो गई। अब बेहद में इसका अर्थ क्या है?
बाबा— उसका पूरा नाम क्या है? ओसामा बिन लादेन। बिन माना बिना, ला माने ला, दे ना। ओ, शामत आ गई। शामत जानते हैं किसे कहते हैं? मौत आ गई। मौत सामने हैं। शामत आ गई, जो कुछ तेरे पास है सो सब निकालके मेरे सामने रख दे। डकैत क्या करते हैं? पिस्तौल लेके खड़े हो जाते हैं। क्या करते हैं? जो कुछ तुम्हारे पास है सो लाके मेरे सामने। वो सबसे बड़ा डकैत है कि नहीं? है या नहीं? है। ज्ञान की भाषा में सबसे बड़ा डकैत कौन है? (जिज्ञासु—राम।) राम? राम अभी सबसे बड़ा डकैत है — ये तो अभी की बात कर रहे हैं — या लास्ट में सबसे बड़ा डकैत होगा? वो तो लास्ट में होगा। लेकिन अभी दुनिया में सबसे बड़ा डकैत कौन है ज्ञान की भाषा में? रावण। माया रावण। माया रावण के कितने शीश हैं? दस शीश हैं। उनमें बड़े ते बड़ा शीश कौन सा है? काम विकार बड़े ते बड़ा शीश है तो लेकिन उसका भी बाप कौन है? देहअभिमान। तो देहअभिमान को जब रावण के चित्र बनाते हैं तो किस रूप में दिखाते हैं? गधे के रूप में दिखाते हैं। अक्ल नहीं है तो डकैती का पेशा धारण करते हैं या अक्ल वाले हैं तो डकैती का पेशा धारण करते हैं? अक्ल नहीं है तो ऐसा पेशा धारण करते हैं।

Time: 01.01.31-01.09.46

Question: Baba, Laden died in the limited. Now, what does it mean in the unlimited?

Baba: What is his complete name? Osama Bin Laden. 'Bin' means 'binaa' (without), 'laa' means bring, 'de naa' (Give me, will you not?) 'O'; 'shaamat aa gayi'. Do you know what is meant by 'shaamat'? Death has come. Death is in front of you. Death has come; take out whatever you have and keep it in front of me. What do dacoits do? They stand with their pistol. What do they do? Bring in front of me what ever you have. Is he the biggest dacoit or not? Is he or is he not? He is. In the language of knowledge, who is the biggest dacoit? (Student: Ram.) Ram? Is Ram the biggest dacoit now - he is speaking about the present time - or will he be the biggest dacoit in the *last*? He will be in the *last*. But who is the biggest dacoit now in the world, in the language of knowledge? Ravan. Maya Ravan. How many heads does Maya-Ravan have? He has ten heads. Which is the biggest head among them? The vice of lust is the biggest head; but who is even his father? Body consciousness. So, when they draw the pictures of Ravan, in which form do they show body consciousness? They show it in the form of a donkey. Do they adopt the profession of dacoity if they do not have intelligence, or do they adopt dacoity as a profession if they have intelligence? They adopt such profession if they do not have intelligence.

तो रावण का जो बाप बैठा हुआ है गधे के रूप में, वो पार्ट किसका है? (जिज्ञासु— ब्रह्मा बाबा का।) वो ज्ञान को समझता है या नहीं समझता है? अरे! जब किसी को पढ़ाई पढ़ाते हैं, अगर वो नहीं समझता है तो क्या कहते हैं? गधे। तो रावण के सिर पर गधे का पार्टधारी

कौन है? जिसको 20 बार समझाया जाता है कि गीता का भगवान कृष्ण नहीं है लेकिन फिर भी वो किसको समझे बैठा है? वो कृष्ण ही गीता का भगवान है वो बुद्धि में पक्का 63 जन्मों से बैठा हुआ है। ये बात निकलती ही नहीं। और गीता का भगवान साकार में जब कृष्ण उर्फ दादा लेखराज ब्रह्मा है तो वो पतितों को पावन बनावेगा कि नहीं बनावेगा? बनावेगा। शिवोहम, ब्रह्मास्मि। ये कौन हुआ? कौन हुआ? अरे, बड़े से बड़ा मनुष्य गुरु कौन है? ब्रह्मा। खुद बुद्धि में ज्ञान नहीं बैठा हुआ है तो गीता का साकार भगवान बनके बैठे हुए हैं। तो अच्छा धंधा करेंगे या डकैती डालेंगे? क्या करेंगे? डकैती डाल रहा है। अभी तक डाल रहा था। क्या डकैती? अरे, तेरे पास जो भी है... क्या? रोटी, बेटी वो सारी मेरे सामने लाके रख। नहीं तो तेरी शामत आ गई। अभी भी पार्ट बताया। हनुमान का पार्ट किसका है? रावण की लंका के सारे अच्छे—2 वस्त्रों में आग लगाने वाला है। तो उसकी मौत हो गई। मौत होने का मतलब क्या हुआ? जैसे कुछ दिन पहले अव्यक्त वाणी चली थी माया अब तंग आ गई है। माया हार चुकी है, प्रकृति थक चुकी है। ऐसे ही अब वो आत्मा का पार्ट बताया। ठंडा हो गया। अभी नई बात निकल पड़ी जिसका जवाब नहीं आया।

So, who plays the *part* of Ravan's father who is sitting in the form of a donkey? (Student: Brahma Baba.) Does he understand knowledge or not? *Arey!* When someone teaches knowledge to someone and if he does not understand it, then what is he called? Donkey. So, who plays the part of the donkey depicted on the head of Ravan? The one who is explained scores of times that God of the Gita is not Krishna, yet whom does he consider [God]? Krishna is God of the Gita. This alone is sitting in this intellect firmly for 63 births. This topic does not come out from his intellect at all. And when Krishna alias Dada Lekhraj is God of the Gita in the corporeal form, then will he purify the sinful ones or not? He will. *Shivoham* (I am Shiva). *Brahmasmi* (I am Brahma). Who is this? *Arey*, who is the biggest human guru in the world? Brahma. The knowledge has not sat in his intellect so he is sitting as God of the Gita in a corporeal form. So, will he pursue a good occupation or will he resort to dacoity? What will he do? He is committing dacoity. He had been committing dacoity till recently. Which dacoity? *Arey*, whatever you have. What? *Roti* (food), *beti* (daughter); bring all that in front of me. Otherwise you will be dead. Even now his *part* was mentioned. Who is playing the *part* of Hanuman? He sets on fire all the nice clothes of Ravan's Lanka. So, he died. What is meant by death? For example, an avyakt vani was narrated a few days ago that Maya is fed up now. Maya has accepted defeat; nature is tired. Similarly, now the *part* of that soul was mentioned. It has become cold⁷. Now a new topic has emerged for which he did not receive a reply.

लास्ट अव्यक्त वाणी इस सीज़न की कौन—सी थी? जिसमें घोषणा कर दी, ये लास्ट आना है इस सीज़न का। तारीख याद है? नहीं याद है? अरे! अव्यक्त वाणी सुनते ही नहीं, पढ़ते ही नहीं? 31 मार्च को अव्यक्त बापदादा ने वाणी चलाई उसमें कह दिया— “ये इस सीज़न का लास्ट दिन है।” फिर बम्बई वालों ने एक बड़ा पोस्टर छपाना शुरू कर दिया। बम्बई है विनाशकारी। उस पोस्टर में आठ प्वाइंट दिये। उनमें पहला ही प्वाइंट था, हैडिंग दिया था— ब्रह्माकुमारियां बताएं नहीं तो हम बताएंगे। हम के उपर निशान लगा दिया एडवांस पार्टी। पहला ही प्वाइंट था— ब्रह्माकुमारियां कहती हैं भगवान सर्वव्यापी नहीं है तो बताएं एकव्यापी कहां है? अगर नहीं है तो बताएं कि एकव्यापी कहां है। अगर नहीं बता सकती है, तो हम बताएंगे।

जिज्ञासु— जल्दी झगड़ा हो जायेगा ना।
बाबा— तो घबड़ा गये।

⁷ *Thandaa honaa*: Arrogance or enthusiasm to be lost

जिज्ञासु— नहीं, घबड़ा नहीं।

बाबा— हाँ, घबड़ा गये। तेरह तारीख को फटा-फट बापदादा को बुला लिया। अरे, सुनो तो, जब घबड़ा गये तभी तो बापदादा याद आता है। उनका भगवान कौन है? वो ही अव्यक्त बापदादा, ब्रह्मा। फटाफट तेरह तारीख को बुला लिया और वो आ भी गये। वो क्या कहेंगे? वो खुद ही देखकर के, वो बात सुनकरके घबड़ाए हुए हैं। तो हमला हो गया। अचानक हमला हो गया। ये छोटा हमला है या बड़ा हमला है? (किसीने कहा—बड़ा हमला।) बड़ा हमला है? ये बड़े—2 एटम बम्ब फट रहे हैं अभी? अरे, ये तो अभी बहुत छोटा है। छोटी मुठभेड़ में मारा गया। सारा अहंकार चूर हो गया— “मैं गीता का साकार भगवान हूँ।”

Which was the *last avyakt vani* of this season in which it was announced that this is the *last* visit of this *season*? Do you remember the date? Don't you remember [the date]? *Arey!* You don't listen to the avyakt vani at all; you don't read it at all? Avyakt Bapdada narrated a vani on 31st March and said in it: 'This is the *last* day of the *season*.' Then those from Mumbai started printing a big *poster*. Mumbai is destructive. Eight points were given in that *poster*. Among them the first point itself was ... the *heading* was: Brahmakumaris tell [us]; otherwise, we will tell [you]. An asterisk was drawn on 'we' [with a foot note] 'advance party'. The first point itself was: Brahmakumaris say that God is not omnipresent; So, they should tell [us] where He is present in one personality? If He isn't [omnipresent], then they should tell [us] where He is present in one. If they cannot tell [us], then we will tell [them].

Student: A dispute will arise soon, will it not?

Baba: So, they were frightened.

Student: No. They were not frightened.

Baba: Yes. They were frightened. They called Bapdada immediately on thirteenth. *Arey*, listen first; they remember Bapdada only when they are frightened. Who is their God? Avyakt Bapdada; Brahma. They called him immediately on the 13th and He came as well. What will he say? He himself is afraid on seeing, on listening to it. So, an attack took place. A sudden attack took place. Is this a small attack or a big attack? (Someone said: A big attack.) It is a big attack? These big atom bombs are exploding now? *Arey*, this is a very small one now. He was killed in a small encounter. The entire ego was lost - 'I am the corporeal God of the Gita.'

जिज्ञासु—आठों प्वाइन्ट अव्यक्त वाणी में है?

बाबा—अव्यक्त वाणी का नहीं है वो।

दूसरा जिज्ञासु—बम्बई वालों ने बनाया।

बाबा—हाँ।

Student: Are these eight points in the avyakt vani?

Baba: They are not in the avyakt vani.

Another student: The people from Mumbai have made it.

Baba: Yes. (Concluded.)